समकालीन वित्त पूंजी की प्रकृति पर चर्चा करें और इसकी तुलना उस वित्तीय पूंजी से करें जिसकी कल्पना लेनिन ने साम्राज्यवाद पर अपनी किताब में की थी। वित्तीय पूंजी के वर्तमान वैश्वीकरण के सामान्य परिणाम क्या हैं और विशेष रूप से तीसरी दुनिया के देशों के लिए संभावित प्रभाव क्या हैं? क्या आपको लगता है कि लेनिन के साम्राज्यवाद के सिद्धांत और वित्तीय पूंजी के उनके विश्लेषण की समकालीन अविध में कोई प्रासंगिकता है?

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No ..

Sr. No. of Question Paper: 4117

Unique Paper Code : 12277505 **N 7 DEC 202**

Name of the Paper : Political Economy - I

Name of the Course : B.A. (Honours) Economics

(CBCS)

Semester : 1

Duration: 3 Hours

Maximum Marks: 75

Instructions for Candidates

- 1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
- Answer any one question (15 marks) from Section
 A and any three questions (20 marks each) from Section B.
- 3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

 इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

- खंड क से किसी एक प्रश्न (15 अंक) का उत्तर दें और खंड ख से किन्हीं तीन प्रश्नों (प्रत्येक के लिए 20 अंक) का उत्तर दें।
- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Section A

(15 marks each) - Answer any one.

खंड क

(प्रत्येक के लिए 15 अंक) - किसी एक का उत्तर दें।

Do you think that in Marx's understanding of a social system, the relationship between the economic and non-economic domains can be analysed in a unidirectional manner, in which the former determines the latter? Discuss.

क्या आप सोचते हैं कि सामाजिक व्यवस्था के बारे में मार्क्स की समझ में आर्थिक और गैर-आर्थिक क्षेत्रों के बीच संबंधों का विश्लेषण एकतरफा तरीके से किया जा सकता है, जिसमें पहला बाद वाले को निर्धारित करता है? व्याख्या करें।

पर्ण रोजगार के "राजनीतिक" विरोध से कालेच्की का क्या अर्थ है, स्पष्ट करें और इसके कारणों की व्याख्या करें। "राजनीतिक व्यापार चक्र" से उनका क्या मतलब है?

Do you think that the capitalist economic system can survive on its own autonomously without any intervention or backing by the state? Discuss.

क्या आपको लगता है कि पूंजीवादी आर्थिक व्यवस्था बिना राज्य द्वारा किसी हस्तक्षेप या समर्थन के अपने दम पर स्वायत्त रूप से जीवित रह सकती है? चर्चा करें।

10. Discuss the nature of contemporary finance capital and compare it with finance capital that Lenin conceptualised in his work on imperialism. What are the general consequences of the current globalisation of finance capital and particularly what are % the possible implications for the third world countries? Do you think Lenin's theory of imperialism and his analysis of finance capital has any relevance in the contemporary period?

"Perfect competition is not only impossible but inferior and has no title to being set up as a model of ideal efficiency" (Joseph Schumpeter). Why did Schumpeter consider the theory of perfect competition to be an unsuitable analytical framework to comprehend capitalism? How did he defend monopolistic practices by big business and why did he think that perfect competition is definitely inferior to that?

"पूर्ण प्रतियोगिता न केवल असंभव है बल्कि हीन है और आदर्श दक्षता के मॉडल के रूप में स्थापित होने का उसका कोई औचित्य नहीं है" (जोसेफ शुम्पीटर)। शुम्पीटर ने पूँजीवाद को समझने के लिए पूर्ण प्रतियोगिता के सिद्धांत को अनुपयुक्त विश्लेषणात्मक ढाँचा क्यों माना? उन्होंने बड़े व्यवसाय द्वारा एकाधिकारवादी प्रथाओं का बचाव कैसे किया और उन्होंने क्यों सोचा कि पूर्ण प्रतियोगिता निश्चित रूप से उससे नीचा है?

8. Explain what Kalecki meant by "political" opposition to full employment and explain the reasons for this. What did he refer to as the "political business cycle"?

2. Discuss the role of primitive accumulation and the forceful subjugation of external economies and their people in the evolution of capitalism in Western Europe.

पश्चिमी यूरोप में पूंजीवाद के विकास में आदिम संचय और बाहरी अर्थव्यवस्थाओं और उनके लोगों की जबरदस्त अधीनता की भूमिका पर चर्चा करें।

3. What is meant by the term "fictitious capital"? Explain its role in the contemporary global economy and particularly in the systemic crisis that broke out in 2008.

"काल्पनिक पूंजी" शब्द का क्या अर्थ है? समकालीन वैश्विक अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से 2008 में उत्पन्न प्रणालीगत संकट में इसकी भूमिका की व्याख्या करें।

Section B

(20 marks each) - Answer any three.

खंड ख

(प्रत्येक के लिए 20 अंक) - किन्हीं तीन का उत्तर दें।

4. Define the value of a commodity and the value of labour power. What is the source of surplus value? What is meant by relative and absolute surplus value? What can cause an actual change in the value of labour power? Discuss how the reserve army of labour helps to restrict the value of labour power to its costs of reproduction.

एक वस्तु के मूल्य और श्रम शक्ति के मूल्य को परिभाषित करें। अधिशेष मूल्य का स्रोत क्या है? सापेक्ष और निरपेक्ष अधिशेष मूल्य से क्या तात्पर्य है? श्रम शक्ति के मूल्य में वास्तविक परिवर्तन का क्या कारण हो सकता है? चर्चा करें कि श्रम की आरक्षित सेना श्रम शक्ति के मूल्य को उसके प्रजनन की लागत तक सीमित रखने में कैसे मदद करती है।

5. Explain the centrality of M-C-M' circuit in capitalism in the context of (a) the manner in which the system organises and disciplines social activities and (b) the internal logic (internal dynamics) of the capitalist system.

पूंजीवाद में एम - सी - एम' सर्किट की केंद्रीयता को आगे लिखे दो संदर्भ में समझाएं (ए) जिस तरीके से वह सामाजिक गतिविधियों को व्यवस्थित और अनुशासित करता है और (बी) पूंजीवादी व्यवस्था के आंतरिक तर्क (आंतरिक गतिशीलता)।

6. Explain "underconsumption crisis" with respect to consumption demand. Does introduction of investment demand alter the basic premise of the theory? Can Keynesian demand management strategies be a long-term solution to the possibility of occurrence of crisis in capitalism?

उपभोग मांग के संबंध में "अल्पउपभोग संकट" की व्याख्या करें। क्या निवेश मांग को शामिल करने से इस सिद्धांत का मूल आधार बदल जाता है? क्या कीनेसियन मांग प्रबंधन रणनीतियाँ पूंजीवाद में संकट की संभावना का दीर्घकालिक समाधान हो सकती हैं?